SOPA THE SOYBEAN PROCESSORS ASSOCIATION OF INDIA

प्रेस विज्ञप्ति

सोपा की 30वीं साधारण सभा एवं खरीफ वर्ष 2010 में सोयाबीन का अनुमानित क्षेत्रफल, उपज एवं उत्पादन की घोषणा

दि सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंड़िया (सोपा) की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 30 सितम्बर 2010 को 3.00 बजे सोपा सेन्टर, इंदौर पर संपन्न हुई।

इस दिन सोपा की 27वीं कार्यकारिणी वर्ष 2010–12 के लिए निर्वाचन हुए भास्कर एक्स ऑयल्स लिमिटेड के श्री रमेशचंद्र अग्रवाल निरविरोध सोपा के अध्यक्ष चुने गये।

इस आयोजन में सोपा ने खरीफ वर्ष 2010 के लिये सोयाबीन की अनुमानित उपज एवं उत्पादन की घोषणा की।

वर्ष 2010 के लिए अनुमानित उत्पादकता एवं उत्पादन का अनुमान लगाने के लिए सोयाबीन उत्पादन करने वाले मुख्य राज्यों में सोपा के द्वारा सोयाबीन फसल सर्वेक्षण दिनांक 15 सितम्बर से 27 सितम्बर के मध्य कराया गया। वास्तविक उत्पादकता एवं उत्पादन की गणना करने के लिए उत्पादकता के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया गया।

विभिन्न राज्यों के कृषि विभागों द्वारा जारी सोयाबीन क्षेत्रफल के राष्ट्रीय आंकडों के अनुसार वर्ष 2010 के लिए सोयाबीन का क्षेत्रफल मामुली घटते हुए 93.033 लाख हेक्टेयर रहा जो कि पिछले वर्ष 2009 में 96.709 हेक्टेयर था। हालांकि इस वर्ष मानसून देरी से सक्रिय हुआ परन्तु बाद की वर्षा एवं सोयाबीन के लिए अच्छे मौसम के कारण राष्ट्रीय उत्पादकता में बढ़ोतरी हुई है।

वर्ष 2010 के लिए अनुमानित राष्ट्रीय उत्पादकता 1089 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रही जो कि पिछले वर्ष 2009 में 1006 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर थी। इसी तरह सोपा द्वारा राष्ट्रीय सोयाबीन उत्पादकता का आंकलन वर्ष 2010 के लिए 101.283 लाख मैट्रिक टन किया गया जो कि पिछले वर्ष 2009 में 97.246 लाख मैट्रिक टन था तथा यह पिछले वर्ष से 4.15 प्रतिशत अधिक है।

प्रदेशवार संक्षिप्त रिपोर्ट निम्नलिखित है :

1. **मध्यप्रदेश** – मध्यप्रदेश में सोयाबीन का क्षेत्रफल 55.193 लाख हेक्टेयर है, जो वर्ष 2009 (52.985 लाख हेक्टेयर) से कुछ अधिक है। उपज एवं उत्पादन क्रमशः 1105 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर तथा 60.987 लाख मैट्रिक टन है।

   भोपाल, सिहोर, रायसेन, विदिशा, शाजापुर एवं बुन्देलखंड के कुछ क्षेत्र में देरी से पकने वाली सोयाबीन की किस्में बोई गई जिनमें अंतिम पानी की खेंच के कारण सोयाबीन का दाना छोटा पाया गया। अतः उक्त क्षेत्रों की उत्पादकता एवं उत्पादन का आंकलन इस बात को ध्यान में रख कर किया गया है।

   शीध्र पकने वाली सोयाबीन की किस्मों का इस वर्ष उत्पादन एवं उत्पादकता अधिक रहने की संभावना है।

2. **महाराष्ट्र** – महाराष्ट्र में सोयाबीन का क्षेत्रफल वर्ष 2009 के 30.320 लाख हेक्टेयर से घटकर 26.030 लाख हेक्टेयर रहा। सोयाबीन की उत्पादकता एवं उत्पादन क्रमशः 1058 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर एवं 27.543 लाख मैट्रिक टन ऑकलित की गई।

3. **राजस्थान** – वर्ष 2010 में सोयाबीन का क्षेत्रफल 6.920 लाख हेक्टेयर रहा, जो वर्ष 2009 में 7.094 लाख हेक्टेयर था। राजस्थान में सोयाबीन की उत्पादकता एवं उत्पादन क्रमशः 1103 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर व 7.633 लाख मैट्रिक टन रहा।

4. **अन्य प्रदेश** – आंध्रप्रदेश, कर्णाटका, छत्तिसगढ़ एवं अन्य राज्यों में अनुमानतः सोयाबीन का क्षेत्रफल इस वर्ष 4.90 लाख हेक्टेयर तथा उत्पादकता 1053 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर एवं उत्पादन 5.16 लाख मैट्रिक टन रहा।

विस्तृत रिपोर्ट साथ में संलग्न है।

वास्ते: दि सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया

राजेश अग्रवाल

राजेश अग्रवाल
प्रवक्ता एवं समन्वयक, सोपा

Scheme No. 53, A. B. Road, Indore - 452 008, M.P., INDIA
Phones : 91-731-2556530 Fax : 91-731-4004300
E-mail : sopa@sopa.org URL : sopa.org